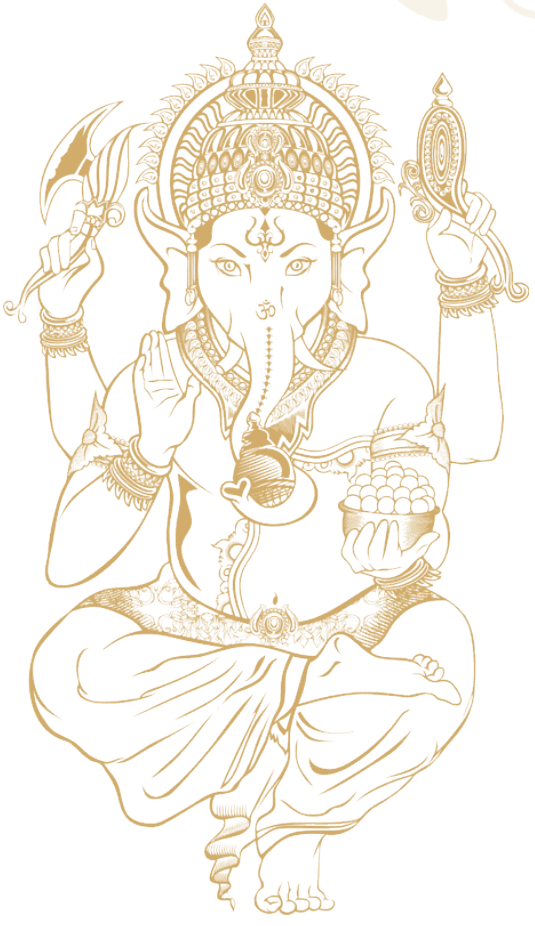

Vishal jain

URVASHI JAIN

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120770516

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16-17/12/1994	जन्म तिथि	13/08/1997
शुक्र-शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:40:00	जन्म समय	10:15:00 घंटे
घटी 56:09:05	जन्म समय(घटी)	10:31:35 घटी
India	देश	India
Ajmer	स्थान	Mumbai
26:29:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
74:40:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:20	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:22	सूर्योदय	06:19:18
17:41:45	सूर्यास्त	19:07:20
23:47:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:24

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 1मा 25दि	09:50:16	वृश्चि	लग्न	कन्या	21:04:46	शनि 0वर्ष 3मा 4दि
गुरु	01:01:39	धनु	सूर्य	कर्क	26:39:30	शुक्र
11/02/2023	19:07:42	वृष	चंद्र	वृश्चि	16:28:58	17/11/2021
11/02/2039	07:10:36	सिंह	मंगल	तुला	05:27:47	17/11/2041
गुरु 31/03/2025	02:38:00	धनु	बुध	सिंह	21:28:40	शुक्र 18/03/2025
शनि 12/10/2027	07:50:04	वृश्चि	गुरु व	मक	22:42:13	सूर्य 18/03/2026
बुध 17/01/2030	17:50:22	तुला	शुक्र	कन्या	00:55:52	चन्द्र 17/11/2027
केतु 24/12/2030	13:06:13	कुंभ	शनि व	मीन	26:25:25	मंगल 16/01/2029
शुक्र 24/08/2033	20:32:49	तुला व	राहु व	सिंह	26:16:37	राहु 17/01/2032
सूर्य 12/06/2034	20:32:49	मेष व	केतु व	कुंभ	26:16:37	गुरु 17/09/2034
चन्द्र 12/10/2035	00:51:00	मक	हर्ष व	मक	12:18:22	शनि 17/11/2037
मंगल 17/09/2036	28:14:16	धनु	नेप व	मक	04:08:40	बुध 17/09/2040
राहु 11/02/2039	05:12:42	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:00:17	केतु 17/11/2041

लग्न-चलित

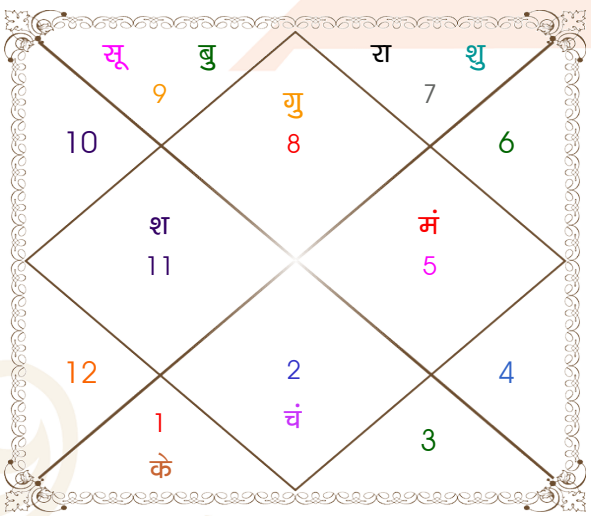

लग्न-चलित

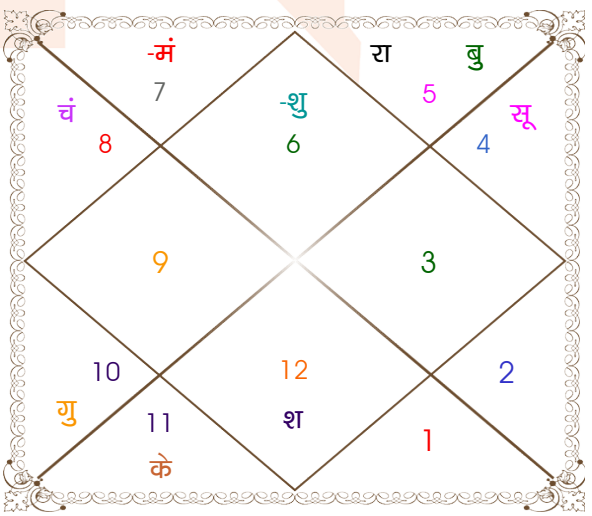

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

Vishal jain का वर्ग मृग है तथा URVASHI JAIN का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vishal jain और URVASHI JAIN का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vishal jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

URVASHI JAIN मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Vishal jain तथा URVASHI JAIN में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।